

# 唐诗精华录

杜天  
选注  
点评



中州古籍出版社



责任编辑 张弦生  
责任校对 牛冰岩  
装帧设计 李志英

唐诗繁花似锦，看去令人眼花缭乱。本书从中选取精华之作三百首，分为上下两卷，上卷收杜甫、李白、白居易、王维、杜牧、李商隐、刘禹锡、李贺等称为“八仙”的八大家名作，下卷收其他一百零八家佳作。除有作者简介外，每首诗均有注释、点评。注释不加烦琐考证，点评常常独出新见。这是一部可吟、可品、可背诵、可把玩的唐诗普及读物。

ISBN 978-7-5348-3464-6

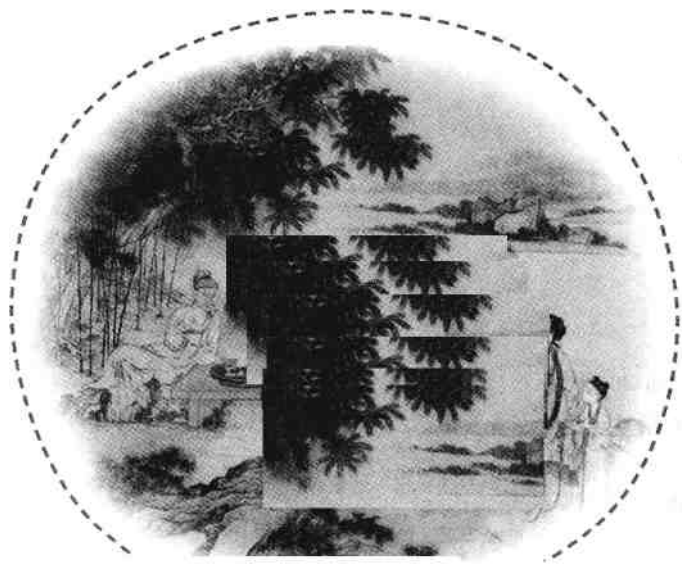


9 787534 834646 >

定价：20.00元

# 唐诗精华录

杜天  
选注点评



中州古籍出版社

2010年 郑州

**图书在版编目(CIP)数据**

唐诗精华录/杜天选注点评. — 郑州:中州古籍出版社,  
2010.11

ISBN 978 - 7 - 5348 - 3464 - 6

I. ①唐… II. ①杜… III. ①唐诗 - 选集 IV. ①I222.742

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2010)第 206892 号

Tangshi Jinghua Lu

**唐诗精华录**

---

出版社:中州古籍出版社

(地址:郑州市经五路 66 号 邮政编码:450002)

发行单位:新华书店

承印单位:河南龙华印务有限公司

开本:890mm × 1240mm A5 印张:9.5

版次:2010 年 11 月第 1 版 印次:2010 年 11 月第 1 次印刷

---

定价:20.00 元

本书如有印装质量问题,由承印厂负责调换。

## 前言

唐诗是中国古典诗歌的顶峰，千百年来，一直是中华民族的高级精神补品。一个中国人，谁不会背几句唐诗呢？即使一个大字不识，也可能冷不丁冒出一句“人生七十古来稀”，或者“每逢佳节倍思亲”的唐诗名句来。

唐代诗人辈出，灿若群星，萃萃大者，有此八家：杜甫，李白，白居易，王维，杜牧，李商隐，刘禹锡，李贺。八大家中，杜甫、白居易、杜牧、刘禹锡属于现实主义流派，李白、王维、李商隐、李贺属于浪漫主义流派，大体如此。

现实主义与浪漫主义同源异流，一物二象，都以客观存在为根基，而主观反映相对立。二者都源于生活，但对生活素材的处理方式却大相径庭。现实主义是对生活素材进行冷加工或热处理，浪漫主义是对生活素材进行蒸馏、结晶或升华。两种流派看似两军对战，壁垒分明，实际上相互渗透，彼此交融，相反相成。许多诗人虽有流派之分，并无门户之见，转益多师，兼收并蓄，蔚成风气。但这又不妨碍他们风格各异，自成一家。何则？只因他们个性特强，既不重复自己，更不重复别人。这就是唐诗既流派分明，又异彩纷呈的内因所在。

作为两派领军人物的杜甫与李白，犹如日月相望，照天地而耀古今，惊风雨而泣鬼神。他们是朋友，但和而不同。李白作诗是自然发酵，一旦成熟，喷薄而出；杜甫作诗是人工冶炼，不到火候，决不出炉。李白不假思索，出口成章：“举头望明月，低头思故乡。”杜甫一言既出，意味深长：“月是故乡明。”好在两个人都把“天生我材”发挥到极致，都把“言志讽时”的诗教一以贯之，最终殊途同归，携手登顶。

同为唐诗“八仙”，也有高低胖瘦之分。以才能而论，前四家都是全才，五七古近不挡；后四家则是偏才，都是五短七长，古近不齐，杜牧、李商隐、刘禹锡皆工七近，李贺独擅七古。以成就而论，李白、杜甫、白居易堪称伟大，作品的思想性与艺术性俱臻上乘；其他几家只能称大，作品的思想性弱于艺术性。

唐代诗人的主体是大小官吏，然而能作诗的人却非常广泛。上自帝王将相，旁及僧道隐逸，下至农夫工匠，伶人宫女，各色人等，均有作手。除了八大家，许多诗人写出了旷世杰作。这些杰作即使放入八大家诗中，也毫不逊色。因此在八大家之外，我又搜集筛选了一百零八家的佳制呈现于此，以飨读者，唯恐有遗珠之憾。上卷的八大家与下卷的一百零八家，是分庭抗礼呢，还是红花配绿叶呢？其实大可不必作如是观，这样做只是为了展示唐诗繁荣昌盛的全貌，让人们看到，几位大家能顶起半边天，众多小家也能顶起半边天。诗人无论大小，作品无论多少，各自都有存在的价值，都应各得其所地占有一席之地。众人拾柴火焰高，才使唐诗放射出璀璨夺目的光

彩，永不磨灭。本书所选诗作除杜牧的《清明》之外，均出自《全唐诗》。

注释古诗应力求准确、简明、生动。准确是第一位的。所谓准确，就是把诗意吃透说破。最准确的词语只有一个，无须啰唆，这就是简明。至于生动，就是把诗的感情色彩，用生动的语气表达出来。没有什么诗是只可意会而不可言传的。

注释出现歧见是正常的，出现一是俱是、一非俱非的“刮风”现象，则不正常。何以至此？余忖度之，大抵有以下几个原因。一是尽信前人注释为是，而不知其非；二是以今语套古语，而不知其变；三是对文言虚词等小节不屑一顾；四是对诗的独特修辞方式不甚了了；五是对限于平仄而倒置有所忽视；六是对限于字数而省略有所忽视。凡此六者，稍有失察，即可能误入歧途。窃以为解诗之道，须从逐字逐句弄通弄懂上狠下工夫。换言之，逐字逐句懂了，才算真懂。当然，诗的真谛和意境，又不是于字句间唾手可得的，自当孜孜以求之。

# 目 录

## 上卷 唐诗八大家

|                |                      |    |
|----------------|----------------------|----|
| 杜 甫            | 江南逢李龟年·····          | 15 |
| 八阵图·····       | 曲江·····              | 16 |
| 3              | 蜀相·····              | 17 |
| 月夜·····        | 江村·····              | 18 |
| 3              | 客至·····              | 18 |
| 春望·····        | 闻官军收河南河北·····        | 19 |
| 4              | 登楼·····              | 20 |
| 月夜忆舍弟·····     | 宿府·····              | 21 |
| 5              | 咏怀古迹·····            | 22 |
| 春夜喜雨·····      | 登高·····              | 23 |
| 6              | 小至·····              | 24 |
| 旅夜书怀·····      | 兵车行·····             | 25 |
| 6              | 茅屋为秋风所破歌·····        | 27 |
| 登岳阳楼·····      | 观公孙大娘弟子舞<br>剑器行····· | 28 |
| 7              |                      |    |
| 江汉·····        | 李 白                  |    |
| 8              | 静夜思·····             | 30 |
| 望岳·····        |                      |    |
| 9              |                      |    |
| 赠卫八处士·····     |                      |    |
| 10             |                      |    |
| 石壕吏·····       |                      |    |
| 11             |                      |    |
| 佳人·····        |                      |    |
| 12             |                      |    |
| 戏为六绝句(选一)····· |                      |    |
| 13             |                      |    |
| 绝句·····        |                      |    |
| 14             |                      |    |
| 赠花卿·····       |                      |    |
| 14             |                      |    |
| 江畔独步寻花·····    |                      |    |
| 15             |                      |    |

|                       |    |                      |    |
|-----------------------|----|----------------------|----|
| 渡荆门送别·····            | 31 | 登金陵凤凰台·····          | 45 |
| 赠孟浩然·····             | 32 | 蜀道难·····             | 46 |
| 送友人·····              | 32 | 将进酒·····             | 48 |
| 送友人入蜀·····            | 33 | 行路难·····             | 50 |
| 宿五松山荀媪家·····          | 34 | 江上吟·····             | 51 |
| 长干行·····              | 35 | 梦游天姥吟留别·····         | 52 |
| 子夜四时歌(秋歌)···          | 36 | 金陵酒肆留别·····          | 54 |
| 下终南山过斛斯山人宿<br>置酒····· | 37 | 宣州谢朓楼饯别校书<br>叔云····· | 55 |
| 关山月·····              | 38 | 白居易                  |    |
| 月下独酌·····             | 39 | 问刘十九·····            | 57 |
| 黄鹤楼送孟浩然之广陵<br>·····   | 39 | 赋得古原草送别·····         | 57 |
| 春夜洛城闻笛·····           | 40 | 新制布裘·····            | 58 |
| 客中作·····              | 40 | 轻肥·····              | 59 |
| 苏台览古·····             | 41 | 采莲曲·····             | 60 |
| 赠汪伦·····              | 41 | 望月有感·····            | 60 |
| 山中问答·····             | 42 | 放言·····              | 61 |
| 望庐山瀑布·····            | 42 | 钱塘湖春行·····           | 62 |
| 望天门山·····             | 43 | 杭州春望·····            | 63 |
| 与史郎中饮听黄鹤楼上<br>吹笛····· | 43 | 晚秋夜·····             | 64 |
| 早发白帝城·····            | 44 | 卖炭翁·····             | 65 |
| 荆州歌·····              | 44 | 井底引银瓶·····           | 66 |
|                       |    | 琵琶行·····             | 67 |
|                       |    | 长恨歌·····             | 71 |

|              |    |               |     |
|--------------|----|---------------|-----|
| 忆江南·····     | 76 | 江南春·····      | 94  |
| 花非花·····     | 77 | 赤壁·····       | 94  |
| 王 维          |    | 泊秦淮·····      | 95  |
| 相思·····      | 78 | 遣怀·····       | 96  |
| 辋川闲居赠裴秀才迪··· | 78 | 寄扬州韩绰判官·····  | 97  |
| 山居秋暝·····    | 79 | 山行·····       | 97  |
| 终南山·····     | 80 | 秋夕·····       | 98  |
| 终南别业·····    | 81 | 金谷园·····      | 98  |
| 过香积寺·····    | 81 | 将赴吴兴登乐游原····· | 99  |
| 观猎·····      | 82 | 九日齐山登高·····   | 99  |
| 汉江临泛·····    | 83 | 登池州九峰楼寄张祜     |     |
| 使至塞上·····    | 84 | ·····         | 100 |
| 渭川田家·····    | 85 | 李商隐           |     |
| 田园乐·····     | 85 | 乐游原·····      | 102 |
| 少年行·····     | 86 | 晚晴·····       | 102 |
| 九月九日忆山东兄弟··· | 86 | 夕阳楼·····      | 103 |
| 送元二使安西·····  | 87 | 贾生·····       | 104 |
| 积雨辋川庄作·····  | 88 | 夜雨寄北·····     | 104 |
| 洛阳女儿行·····   | 89 | 瑶池·····       | 105 |
| 杜 牧          |    | 霜月·····       | 106 |
| 长安秋望·····    | 91 | 嫦娥·····       | 106 |
| 题扬州禅智寺·····  | 92 | 安定城楼·····     | 107 |
| 清明·····      | 92 | 马嵬·····       | 108 |
| 过华清宫·····    | 93 |               |     |

|             |           |     |     |
|-------------|-----------|-----|-----|
| 无题(昨夜星辰昨夜风) | 竹枝词       | 119 | 119 |
| ..... 109   | 春词        | 119 | 119 |
| 无题(相见时难别亦难) | 望洞庭       | 120 | 120 |
| ..... 110   | 西塞山怀古     | 121 | 121 |
| 无题(重帏深下莫愁堂) | 酬乐天扬州初逢席上 |     |     |
| ..... 111   | 有赠        | 122 | 122 |
| 无题(飒飒东风细雨来) | 李贺        |     |     |
| ..... 112   | 大堤曲       | 124 | 124 |
| 锦瑟          | 南园        | 125 | 125 |
| ..... 113   | 昌谷北园新笋    | 125 | 125 |
| 刘禹锡         | 李凭箜篌引     | 126 | 126 |
| 蜀先主庙        | 致酒行       | 128 | 128 |
| ..... 115   | 雁门太守行     | 129 | 129 |
| 元和十年自朗州召    | 梦天        | 130 | 130 |
| 至京戏赠看花诸君子   | 三月        | 131 | 131 |
| ..... 115   | 巫山高       | 132 | 132 |
| 再游玄都观       | 秋来        | 133 | 133 |
| ..... 116   | 金铜仙人辞汉歌   | 134 | 134 |
| 石头城         |           |     |     |
| ..... 117   |           |     |     |
| 乌衣巷         |           |     |     |
| ..... 117   |           |     |     |
| 杨柳枝词        |           |     |     |
| ..... 118   |           |     |     |
| 柳枝词         |           |     |     |
| ..... 118   |           |     |     |

## 下卷 唐诗一百零八家

|           |     |     |
|-----------|-----|-----|
| 武则天       | 彩书怨 | 138 |
| 如意娘       | 王绩  |     |
| ..... 137 | 野望  | 139 |
| 上官婉儿      |     |     |

|              |              |     |
|--------------|--------------|-----|
| 苏味道          | 春江花月夜 .....  | 152 |
| 正月十五夜 .....  |              | 140 |
| 王 勃          | 陈子昂          |     |
| 送杜少府之任蜀州     | 春夜别友人 .....  | 154 |
| .....        | 登幽州台歌 .....  | 155 |
|              |              | 141 |
| 卢照邻          | 张 说          |     |
| 春晚山庄率题 ..... | 蜀道后期 .....   | 156 |
|              |              | 142 |
| 骆宾王          | 苏 颙          |     |
| 在狱咏蝉 .....   | 汾上惊秋 .....   | 157 |
|              |              | 143 |
| 杨 炯          | 张九龄          |     |
| 从军行 .....    | 望月怀远 .....   | 158 |
|              |              | 144 |
| 杜审言          | 王之涣          |     |
| 和晋陵陆丞早春游望    | 登鹳雀楼 .....   | 159 |
| .....        | 凉州词 .....    | 159 |
|              |              | 145 |
| 宋之问          | 孟浩然          |     |
| 渡汉江 .....    | 春晚 .....     | 160 |
|              |              | 147 |
| 沈佺期          | 望洞庭湖赠张丞相     |     |
| 独不见 .....    | .....        | 161 |
|              |              | 148 |
| 贺知章          | 与诸子登岷山 ..... | 162 |
| 咏柳 .....     | 岁暮归南山 .....  | 162 |
|              | 过故人庄 .....   | 163 |
| 回乡偶书 .....   | 夜归鹿门山歌 ..... | 164 |
|              |              | 150 |
| 刘希夷          | 李 颀          |     |
| 代悲白头翁 .....  | 送魏万之京 .....  | 165 |
|              |              | 150 |
| 张若虚          | 古从军行 .....   | 166 |

- 王昌龄  
    出塞 ..... 167  
    芙蓉楼送辛渐 ..... 169  
    闺怨 ..... 170  
    长信秋词 ..... 170
- 祖 咏  
    望蓟门 ..... 171
- 刘慎虚  
    缺题 ..... 173
- 王 湾  
    次北固山下 ..... 174
- 王 翰  
    凉州词 ..... 175
- 崔 颢  
    长干曲 ..... 176  
    黄鹤楼 ..... 177
- 高 适  
    别董大 ..... 178  
    燕歌行 ..... 178
- 储光羲  
    钓鱼湾 ..... 180
- 刘长卿  
    逢雪宿芙蓉山主人  
        ..... 181
- 新年作 ..... 182  
    别严士元 ..... 183
- 岑 参  
    山房春事 ..... 184  
    逢入京使 ..... 184  
    白雪歌送武判官归京  
        ..... 185  
    轮台歌奉送封大夫出师  
        西征 ..... 186  
    走马川行奉送出师西征  
        ..... 187
- 刘方平  
    月夜 ..... 189
- 元 结  
    贫妇词 ..... 190
- 张 继  
    枫桥夜泊 ..... 191
- 钱 起  
    省试湘灵鼓瑟 ..... 192
- 韩 翃  
    寒食 ..... 193
- 司空曙  
    喜外弟卢纶见宿 ..... 194
- 皎 然

|               |     |                    |     |
|---------------|-----|--------------------|-----|
| 寻陆鸿渐不遇 .....  | 195 | 初发扬子寄元大校书<br>..... | 208 |
| 李 端           |     | 滁州西涧 .....         | 208 |
| 闺情 .....      | 196 | 寄李儋元锡 .....        | 209 |
| 胡令能           |     | 卢 纶                |     |
| 小儿垂钓 .....    | 197 | 塞下曲 .....          | 210 |
| 顾 况           |     | 晚次鄂州 .....         | 211 |
| 行路难 .....     | 198 | 李 益                |     |
| 韩 氏           |     | 江南曲 .....          | 212 |
| 题红叶 .....     | 199 | 夜上受降城闻笛 .....      | 213 |
| 窦叔向           |     | 过五原胡儿饮马泉<br>.....  | 213 |
| 夏夜宿表兄话旧 ..... | 200 | 于 鹄                |     |
| 张 潮           |     | 江南曲 .....          | 214 |
| 江南行 .....     | 201 | 孟 郊                |     |
| 冯 著           |     | 游子吟 .....          | 215 |
| 洛阳道 .....     | 202 | 陈 羽                |     |
| 于良史           |     | 从军行 .....          | 216 |
| 春山夜月 .....    | 203 | 崔 护                |     |
| 柳中庸           |     | 题城南庄 .....         | 217 |
| 征人怨 .....     | 204 | 常 建                |     |
| 戴叔伦           |     | 题破山寺后禅院 .....      | 218 |
| 除夜宿石头驿 .....  | 205 | 张 籍                |     |
| 女耕田行 .....    | 206 | 秋思 .....           | 219 |
| 韦应物           |     |                    |     |
| 秋夜寄丘员外 .....  | 207 |                    |     |

- 征妇怨 ..... 220  
 节妇吟 ..... 220
- 王 建  
 新嫁娘词 ..... 221  
 十五夜望月寄杜郎中  
 ..... 222
- 杨巨源  
 城东早春 ..... 223
- 韩 愈  
 早春呈水部张十八员外  
 ..... 224  
 晚春 ..... 224  
 左迁至蓝关示侄孙湘  
 ..... 225  
 山石 ..... 226
- 李 绅  
 悯农 ..... 227
- 柳宗元  
 江雪 ..... 228  
 与浩初上人同看山寄  
 京华亲故 ..... 229  
 登柳州城楼寄漳汀封连  
 四州 ..... 229  
 渔翁 ..... 230
- 崔 郊  
 赠婢 ..... 231
- 元 稹  
 行官 ..... 232  
 离思 ..... 232  
 田家词 ..... 233
- 杨敬之  
 赠项斯 ..... 235
- 贾 岛  
 寻隐者不遇 ..... 235  
 题李凝幽居 ..... 236
- 张 祜  
 官词 ..... 237
- 刘 皂  
 旅次朔方 ..... 238
- 皇甫松  
 采莲子 ..... 239
- 韩 琮  
 暮春浣水送别 ..... 240
- 朱庆馀  
 官词 ..... 241  
 闺意献张水部 ..... 242
- 李德裕  
 登崖州城作 ..... 243

|               |     |            |     |
|---------------|-----|------------|-----|
| 卢 仝           |     | 曹 邨        |     |
| 有所思 .....     | 243 | 官仓鼠 .....  | 257 |
| 刘 叉           |     | 于 渍        |     |
| 姚秀才爱予小剑因赠     |     | 山村叟 .....  | 258 |
| .....         | 245 | 高 骈        |     |
| 徐 凝           |     | 山亭夏日 ..... | 259 |
| 忆扬州 .....     | 246 | 罗 隐        |     |
| 许 浑           |     | 蜂 .....    | 260 |
| 金陵怀古 .....    | 247 | 皮日休        |     |
| 咸阳城东楼 .....   | 248 | 汴河怀古 ..... | 261 |
| 雍 陶           |     | 陆龟蒙        |     |
| 城西访友人别墅 ..... | 249 | 白莲 .....   | 262 |
| 温庭筠           |     | 韦 庄        |     |
| 商山早行 .....    | 250 | 台城 .....   | 263 |
| 经五丈原 .....    | 251 | 黄 巢        |     |
| 苏武庙 .....     | 252 | 菊花 .....   | 264 |
| 陈 陶           |     | 聂夷中        |     |
| 陇西行 .....     | 253 | 咏田家 .....  | 265 |
| 李群玉           |     | 高 蟾        |     |
| 黄陵庙 .....     | 254 | 金陵晚望 ..... | 266 |
| 赵 嘏           |     | 章 碣        |     |
| 长安秋望 .....    | 255 | 焚书坑 .....  | 267 |
| 马 戴           |     | 曹 松        |     |
| 落日怅望 .....    | 256 | 己亥岁 .....  | 268 |

|              |     |               |     |
|--------------|-----|---------------|-----|
| 韩偓           |     | 贯休            |     |
| 偶见 .....     | 269 | 春晚书山家屋壁 ..... | 278 |
| 吴融           |     | 崔涂            |     |
| 浙东筵上有寄 ..... | 270 | 春夕 .....      | 279 |
| 张蟪           |     | 秦韬玉           |     |
| 登单于台 .....   | 271 | 贫女 .....      | 280 |
| 金昌绪          |     | 唐彦谦           |     |
| 春怨 .....     | 272 | 采桑女 .....     | 281 |
| 郑谷           |     | 王驾            |     |
| 淮上与友人别 ..... | 273 | 社日 .....      | 282 |
| 鹧鸪 .....     | 273 | 谭用之           |     |
| 杜荀鹤          |     | 秋宿湘江遇雨 .....  | 283 |
| 春官怨 .....    | 275 | 徐氏            |     |
| 送友人游吴 .....  | 276 | 述国亡诗 .....    | 284 |
| 再经胡城县 .....  | 276 | 无名氏           |     |
| 山中寡妇 .....   | 277 | 金缕衣 .....     | 285 |